भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3508
उत्तर देने की तारीख: 20.12.2021

विश्वविद्यालयों में नए पाठ्यक्रम

†3508. श्री सी. लालरोसांगा:

क्या **शिक्षा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) देश के विभिन्न राज्यों और केंद्रीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों में बिजनेस एनालिटिक्स, ग्राफिक डिजाइनिंग, विजुअल कम्युनिकेशन, प्रोडक्ट मैनेजमेंट, एनिमेशन, वेब डिजाइनिंग, बायोटेक इंस्ट्रुमेंटेशन आदि जैसे अल्पकालिक अवधि के रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहे हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार और यूजीसी विशेषकर उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों के केंद्रीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों में भी इन पाठ्यक्रमों को आरंभ करने पर विचार कर रहे हैं;
(घ) यदि हां, तो क्या इस संबंध में इन विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ कोई परामर्श किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या सरकार का विचार है कि इन अल्पकालिक अवधि के पाठ्यक्रमों से बेरोजगारी काफी हद तक कम हो जाएगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा सरकार और यूजीसी किस प्रकार से लघु और दीर्घकालिक रणनीतियों की योजना बना रहे हैं?

उत्तर
शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) से (ड): अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने सूचित किया है कि एआईसीटीई के कौशल वृद्धि और पुनर्गठन मिशन (कर्मा) के तहत अल्पकालिक प्रशिक्षण, किसी भी डोमेन-विशिष्ट मांग-आधारित कौशल प्रशिक्षण गतिविधि, विशेषतः कोर इंजीनियरिंग क्षेत्रों में होगी जिससे रोजगार या स्वरोजगार में होगा जो एक प्रतिभागी को कौशल प्राप्त करने में सक्षम बनाता है और जिससे वह वेतन/स्वरोजगार प्राप्त कर सकता है।

एआईसीटीई ने यह भी सूचित किया है कि प्रोजेक्ट सनशाइन के तहत, एआईसीटीई ने उद्योग की मांग के अनुसार आईटी/सॉफ्टवेयर पाठ्यक्रमों में बी.टेक और एमसीए के छात्रों को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक प्रमुख उद्योग संगठन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सूचित किया है कि यूजीसी ने राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के तहत कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, बी वोक और एम वोक जैसे कौशल-आधारित कार्यक्रमों को पेश करने की सुविधा प्रदान की है। कई एचईआई पहले से ही ग्राफिक डिजाइनिंग, एनिमेशन, वेब डिजाइनिंग आदि जैसे क्षेत्रों में एनएसक्यूएफ के तहत कौशल आधारित पाठ्यक्रम चला रहे हैं।

इसके अलावा, छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए, यूजीसी ने उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए वर्ष 2020 में इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप एंबेडेड डिग्री प्रोग्राम की पेशकश करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

*****